दैनिक भास्कर

पटना 11-09-2025

आपसे अपील **उम्मीदः** हाल के वर्षों में बिहार का मतदान प्रतिशत देश में सबसे कम रहा है... हमें इसे बढ़ाना है

लोकतंत्र जिंदा है... यह संभव है आपके मतदान से

अनिल अग्रवाल, संस्थापक वेदांता समूह

दुनिया के सबसे बड़े और जीवंत लोकतंत्र भारत के इतिहास में बिहार का स्थान हमेशा ऊपर रहा है। यह हमारी कई महान विचारधाराओं, आंदोलनों और नेताओं की जन्मभूमि है। इस भूमि की राजनीतिक और सांस्कृतिक धरोहर अद्वितीय है। आज, जब बिहार अपने लोकतांत्रिक सफर के एक और महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, मैं हर एक मतदाता से हार्दिक अपील करना चाहता हूं कि बाहर निकलें और वोट दें। जरा सोचिए। दुनिया का पहला गणराज्य वैशाली, बिहार में जन्मा था। सदियों बाद, भगवान बुद्ध ने यहीं से समानता और सहानुभूति का संदेश दिया। चाणक्य और चंद्रगुप्त ने इसी मिट्टी से शासन की नींव रखी। और आधुनिक भारत में, बिहार ने हमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद, भारत के पहले राष्ट्रपति और जयप्रकाश नारायण दिए, जिन्होंने पूरे देश को जनता की ताकत का एहसास कराया। यही है बिहार की महानता। एक ऐसी धरती जिसने हमेशा लोकतंत्र और न्याय के मामले में भारत का नेतृत्व किया। लेकिन, लोकतंत्र सिर्फ इतिहास नहीं है। यह हर दिन जिंदा है और ये संभव है आपके मतदान से।

बिहार की महानता सिर्फ इसके अतीत में नहीं है। यह इसके लोगों में बसती है। बिहारी हमारे देश के सबसे मेहनती और जुझारू नागरिकों में गिने जाते हैं। चाहे कृषि हो, शिक्षा, उद्योग या उद्यमिता वे अपनी लगन और हार न मानने वाले जज्बे के साथ हर जगह अपनी पहचान छोड़ते हैं। दिल्ली की मेट्रो बनाने से लेकर सिलिकॉन वैली में उत्कृष्टता तक, आईआईटी की शैक्षणिक श्रेष्ठता से लेकर सिविल सेवाओं में नेतृत्व बिहार की बेटियां और बेटे हर दिन भारत को गर्व महसूस कराते हैं। और फिर भी, बिहार की असली ताकत सिर्फ बाहर की उपलब्धियों में नहीं है, बल्कि घर पर लिए गए फैसलों में है, मतदान के जरिए। हर चुनाव बिहार के लिए अपनी किस्मत गढ़ने का अवसर है। एक अच्छी और स्थाई सरकार राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार के असीमित अवसर और संपन्नता लेकर आएगी।

हाल के वर्षों में बिहार का मतदान प्रतिशत देश में सबसे कम रहा है। 2024 लोकसभा चुनावों में बिहार का मतदान प्रतिशत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे कम रहा, महज 56.19 प्रतिशत। जबकि लक्षद्वीप (84.16 प्रतिशत) और असम (81.56 प्रतिशत) जो सबसे ऊपर रहे बहुत बड़े मार्जिन से आगे रहे। अब समय आ गया है इस प्रवृत्ति को बदलने का। लोकतंत्र सिर्फ सरकार बनाने का नाम नहीं है, यह लोगों के अपने भविष्य की कमान लेने का नाम है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में राज्य एक नया कीर्तिमान बनाएगा। यह पहले से ही उत्साहजनक है कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की मतदान में भागीदारी पुरुषों से कहीं अधिक रही है। इस बार भी मुझे पूरा भरोसा है कि महिलाएं आगे रहेंगी। जिस बिहार ने भारत को पहला गणराज्य दिया, पहला राष्ट्रपति दिया और सबसे बड़े जनआंदोलन दिए, अब वही बिहार भारत को सबसे मजबूत मतदान प्रतिशत भी देगा। यह आपका समय है। यह आपका अधिकार है। यह आपकी जिम्मेदारी है।

बिहार एक ऐसी धरती जिसने हमेशा लोकतंत्र और न्याय के मामले में भारत का नेतृत्व किया। लेकिन, लोकतंत्र सिर्फ इतिहास नहीं है। यह हर दिन जिंदा है और ये संभव है आपके मतदान से।